

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, होशे, सत्र 5, होशे 5,

© 2025 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

फ्रांसिस एस्बरी सोसाइटी (विल्मोर, केवाई) और डॉ. ओसवाल्ट को इन वीडियो को जनता के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराने और उनके प्रतिलेखन की अनुमति देने के लिए धन्यवाद।

आज रात हम होशे के अध्याय 6 को देख रहे हैं। अब तक पुस्तक के माध्यम से हमारी यात्रा में, हमने देखा है कि अध्याय 1 से 3 में होशे और उसकी वेश्या पत्नी, गोमेर के जीवंत रूपक के साथ पुस्तक को कैसे स्थापित किया गया है। अध्याय 2 हमें रूपक की व्याख्या देता है, इसे यहोवा और इस्राएल पर लागू करता है। और फिर अध्याय 3 में होशे द्वारा गोमेर को दास समूह से वापस खरीदने और उसे फिर से अपने साथ जोड़ने के रूपक पर वापस आता है।

तो, हम अपने लोगों के लिए परमेश्वर के भावुक प्रेम की यह तस्वीर देखते हैं, उनके आगे-पीछे के रिश्ते की, जहाँ, हाँ, हाँ, वे एक तरह से उससे प्यार करते हैं, लेकिन दूसरे में, वे अपना तरीका चाहते हैं। और इसलिए, उसी तरह, हम एक शुद्ध प्रेम, एक पूरी तरह से प्रतिबद्ध प्रेम, और एक ऐसा प्रेम जो पक्षपातपूर्ण और विभाजित है और न केवल पति को बल्कि अन्य प्रेमियों को भी दिया जाता है, की तस्वीर देखते हैं। फिर हमने अध्याय 4 और 5 में देखा कि मैंने परमेश्वर के बारे में कोई ज्ञान नहीं शीर्षक दिया है।

ये तीन शब्द, ज्ञान, प्रेम और विश्वासयोग्यता, हिब्रू शब्द दा'त ज्ञान है, शब्द हेसेड जिसके बारे में हम पहले बहुत बात कर चुके हैं, और शब्द एमेट और एमुनाह, दो शब्द, जिनमें से दोनों का अनुवाद सत्य के रूप में किया जा सकता है, जिनमें से दोनों का अनुवाद विश्वासयोग्यता के रूप में किया जा सकता है। इसलिए, मैंने कहा कि हालाँकि पुस्तक में वास्तव में 3 के बाद कोई स्पष्ट रूपरेखा नहीं है, हम इसे पश्चाताप के आह्वान या परमेश्वर के धैर्यवान प्रेम की अभिव्यक्तियों के आधार पर खंडों में विभाजित कर सकते हैं। परमेश्वर के धैर्य और उसके प्रेम और पश्चाताप के आह्वान की उन अभिव्यक्तियों में से पहली यहाँ अध्याय 6 में श्लोक 1 से 3 में आती है। इसलिए मैंने अध्याय 4 और 5 को परमेश्वर के ज्ञान के बिना नामित किया।

मैं इसके बारे में थोड़ी देर में और बात करूँगा। फिर 6:4 से लेकर अध्याय 10, श्लोक 15 तक, हम परमेश्वर के प्रति प्रेम को नहीं कह रहे हैं। और हम फिर से उस शब्द हेसेड का इस्तेमाल करने जा रहे हैं।

हम इसके बारे में थोड़ी देर में और बात करेंगे। लेकिन 6:1 से 3 तो परमेश्वर के ज्ञान और परमेश्वर के प्रेम के बीच का पुल है। मैं आपसे आपके पाठ पत्र पर अध्याय 6, श्लोक 1 से 3 के लिए एक शीर्षक चुनने के लिए कहता हूँ। आपके बाइबल अध्ययन में, पैराग्राफ और अध्यायों को शीर्षक देना बहुत मददगार हो सकता है क्योंकि यह आपका ध्यान केंद्रित करता है।

यह पैराग्राफ वास्तव में किस बारे में है? मैं कैसे बता सकता हूँ कि यह किस बारे में बात कर रहा है? अब, कोई निश्चित बात नहीं है, ओह, यह सही शीर्षक है, और यह गलत है। ऐसा नहीं है। यह बस एक उपकरण है जिसके द्वारा आप इसे समझ रहे हैं।

इसलिए, अध्याय 6, श्लोक 1 से 3 को हम जो शीर्षक दे सकते हैं, उसे हम प्रभु के पास लौटें कह सकते हैं। यह सबसे पहली चीज़ है जो आप वहाँ देखते हैं। आप श्लोक 3 में यह भी कह सकते हैं, आइए प्रभु को जानें।

एक और संभावना यह भी हो सकती है कि वह हमें पुनर्जीवित करेगा। तो, ये तीनों ही हमारे मन में क्या है, इसे पकड़ने की कोशिश करने के मात्र तरीके हैं। यहाँ मुख्य विचार क्या है? आइए हम प्रभु के पास लौटें। उस आह्वान के अनुसार, हमें उसके पास वापस जाना चाहिए।

हमें वापस लौटना चाहिए। होशे यहाँ लोगों के लिए बोल रहा है और लोगों से बात कर रहा है। तो, यह एक कॉल है।

साथ ही, उसके पास लौटना क्या है? किसके पास लौटना है? यह उसके साथ एक प्रेमपूर्ण रिश्ते की ओर लौटना है। यही प्रभु को जानने का अर्थ है। हमने पहले भी इस बारे में बात की है, लेकिन दोहराव शिक्षा की आत्मा है।

ईश्वर को जानना क्या है? ईश्वर को जानना उसके बारे में जानना नहीं है। ईश्वर को जानना किसी खास विचार को जानना नहीं है। अब, मैं कहूँगा, हाँ, ईश्वर को जानना उसके बारे में जानना है।

यह संतुष्टि की भावना है। वह कौन है? वह कैसा है? वह क्या करता है? हाँ, लेकिन यह केवल द्वार है, जैसा कि यह था। घर उसके साथ एक जीवंत, प्रेमपूर्ण संबंध है।

तो, होशे कह रहा है, चलो, पीछे मुड़ें। पुराने नियम में लौटने का यही अर्थ है। इसका मतलब है पीछे मुड़ना।

आइए हम मूर्तियों की ओर जाना बंद करें। आइए हम पीछे मुड़ें और प्रभु की ओर चलें। और किस अर्थ में मुड़ें? उसके साथ अपने प्रेमपूर्ण रिश्ते को नवीनीकृत करने के अर्थ में मुड़ें।

उसे जानना। जैसा कि आपको याद होगा, हिब्रू बाइबिल में, जानना यौन आलिंगन के लिए एक शब्द है। आदम अपनी पत्नी हव्वा को जानता था, और वह गर्भवती हुई और एक बेटे को जन्म दिया।

तो फिर, यह अंतरंगता की बात कर रहा है। परमेश्वर आपको सिर्फ़ अपराधबोध और पाप की निंदा से बचाना नहीं चाहता। परमेश्वर आपको उस अलगाव से बचाना चाहता है जो आपको उससे अलग करता है और आपको उस नज़दीकी, अंतरंग रिश्ते में वापस बुलाना चाहता है।

वह हमें पुनर्जीवित करेगा। हाँ, ये आयतें किस बारे में हैं? वे इस बारे में हैं कि अगर हम पलट जाएँ, अगर हम उसे फिर से और नए सिरे से जानने के लिए दृढ़ संकल्पित हों तो क्या होगा। इसका परिणाम क्या होगा? वह हमें जीवन देगा।

दूसरी आयत पर ध्यान दें। दो दिन बाद, वह हमें पुनर्जीवित करेगा। हमें जीवन देगा।

तीसरे दिन, वह हमें बहाल करेगा। अब यह कल की बात करने का हिब्रू तरीका है, और अगला दिन भविष्य है। वह हमें बहाल करेगा।

क्यों? ताकि हम उसकी उपस्थिति में जी सकें। दूसरे संदर्भ में, मैंने सुझाव दिया कि यह वास्तव में चलना है और आधुनिक अनुवादों में अक्सर ऐसा होता है कि वे चलने के रूपक को जीने के शब्द से समझाते हैं। लेकिन यहाँ यह सच नहीं है।

यह जीवित है। वह हमें जीवन देगा। वह अपनी उपस्थिति में हमारे जीवन को नवीनीकृत करेगा।

हम मर चुके हैं। अपने पाप में मर चुके हैं। अपने विद्रोह में मर चुके हैं।

लेकिन वह हमारा जीवन बहाल करने जा रहा है। और वह जीवन सचमुच उसके चेहरे पर होगा। जीवन कहाँ पाया जा सकता है? इस ब्रह्मांड में।

ब्रह्मांड के निर्माता के साथ संगति में। ब्रह्मांड विज्ञानी आज जीवन के पूरे प्रश्न से जूझ रहे हैं। लाखों आकाशगंगाओं की पहचान की गई है और प्रत्येक आकाशगंगा में लाखों तारे हैं और प्रत्येक तारे के साथ ग्रहों की संभावना है, ऐसे में अन्य ग्रहों पर भी जीवन होना चाहिए।

कहीं और भी जीवन होना चाहिए। हो सकता है ऐसा हो। लेकिन अगर ऐसा है, तो यह इस ग्रह पर जीवन जैसा ही है।

यह एक ऐसा जीवन है जो जीवित ईश्वर का उपहार है। और यह केवल शरीर का जीवन नहीं है। मैं हाल ही में इस बारे में सोच रहा था और शरीर, आत्मा और किंग जेम्स के पूरे मुद्दे पर वास्तव में जर्मन भाषा से आत्मा शब्द का उपयोग किया जाता है।

और यह हिब्रू में एक शब्द का अनुवाद है, जैसे कि हमने बात की है, कई हिब्रू शब्दों की तरह, जिसके अर्थ का एक बहुत बड़ा भंडार है; यह शब्द नेफेश है। और नेफेश का मतलब स्वयं हो सकता है। मैंने अपने नेफेश से बात की।

मैंने खुद से बात की। या मैंने खुद ही ऐसा किया। इसका मतलब खुद से भी हो सकता है।

इसका मतलब व्यक्तित्व भी हो सकता है। इसका मतलब ऊर्जा भी हो सकता है। मैं इस बारे में सोच रहा हूँ।

आखिर वह क्या है जो आपको और मुझे परिभाषित करता है और हमें वह बनाता है जो हम हैं? अरे हाँ, हमारा शरीर। मेरा एक अलग शरीर है। और हाँ, जब तक शरीर में आत्मा न हो, यह सिर्फ एक लाश है।

लेकिन इन सबके पीछे मैं, तुम हो। यहीं असली मानव जीवन है। और इसलिए, होशे चिल्लाता है, ओह, मौत के रास्ते पर चलना बंद करो, इस दुनिया की पूजा करो।

इस दुनिया में कोई जीवन नहीं है। एकमात्र जीवन जो मौजूद है वह मैं हूँ, यहोवा, वह प्राणी जो हमेशा जीवित रहता है और हमें जीवन देता है। इसलिए, वह कहता है, आओ, वापस लौटें।

चलो पीछे मुड़ते हैं। चलो अपने जीवन के स्रोत पर वापस चलते हैं और उस अंतरंगता में डूब जाते हैं। यह नहीं कि मैं यीशु से कितनी दूर रह सकता हूँ और फिर भी स्वर्ग जा सकता हूँ।

नहीं, मैं उसके कितने करीब रह सकता हूँ जो मेरे लिए मरा? अब ध्यान दें, आइए, हम प्रभु की ओर मुड़ें। उसने हमें टुकड़े-टुकड़े कर दिया है, लेकिन वह हमें ठीक कर देगा। परमेश्वर की ओर मुड़ने का कारण यह है कि वह हमें ठीक कर देगा।

वह हमें पुनर्जीवित करेंगे। इसमें एक या दो दिन लग सकते हैं। हम अमेरिका में तुरंत ही फंस जाते हैं।

हम अभी परिणाम चाहते हैं। यदि आप पाप में जीने के बाद प्रभु के पास लौटते हैं, तो हाँ, वह आपको स्वीकार करेगा। लेकिन अपने जीवन का पुनर्निर्माण करना, इसे फिर से एक साथ रखना एक या दो दिन का मामला हो सकता है।

हमें प्रभु के पास क्यों लौटना चाहिए? क्योंकि वह हमें चंगा करेगा। उसने हमें तोड़ दिया है। और हम इसके बारे में आगे की आयतों में और अधिक बताने जा रहे हैं।

उसने हमें तोड़ दिया है। उसने हमें टुकड़ों में तोड़ दिया है। अरे यार, वह कैसा भगवान है? लेकिन वह हमें ठीक कर देगा।

मैंने अफ्रीका के एक मिशनरी डॉक्टर की कहानी सुनी। एक छोटा लड़का उसके पास आया, और उसका हाथ टेढ़ा-मेढ़ा था। और छोटे लड़के ने कहा, डॉक्टर, क्या आप इसे सीधा कर सकते हैं? और उसने पूछा, क्या हुआ? उसने कहा, अच्छा, मैं एक बंदर के पीछे पेड़ पर चढ़ रहा था, और मैं गिर गया।

और ओह, मेरा हाथ इतने लंबे समय तक बहुत बुरी तरह से दर्द करता रहा। लेकिन आखिरकार, यह ठीक हो गया, लेकिन इस तरह। डॉक्टर ने कहा, हाँ, मैं इसे ठीक कर सकता हूँ, लेकिन इसके लिए मुझे तुम्हें चोट पहुँचानी पड़ेगी।

मुझे तुम्हारी बांह को फिर से तोड़ना पड़ेगा ताकि वह सीधी हो जाए। यही तो यहाँ हो रहा है। भगवान कह रहे हैं, हाँ, तुम्हें बहाल करने के लिए, तुम्हें तुम्हारा सच्चा जीवन वापस देने के लिए, यह दर्द देने वाला है।

लेकिन मैंने तुम्हें सिर्फ इसलिए चोट पहुँचाई ताकि तुम ठीक हो सको। यह हमारे लिए बहुत ज़रूरी है कि हम इस बात पर सच्चा विश्वास करें। भगवान कभी भी हमें सिर्फ मजे के लिए चोट नहीं पहुँचाएँगे।

भगवान कभी भी हमें सिर्फ अपने क्रोध की अभिव्यक्ति के रूप में चोट नहीं पहुँचाएगा। अगर भगवान हमें चोट पहुँचाता है, तो यह इसलिए होगा ताकि वह हमें ठीक कर सके। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि आपको मेरा अक्सर कहा गया कथन याद होगा।

भगवान का अंतिम शब्द विनाश नहीं है। यह उनका अंतिम शब्द हो सकता है, लेकिन यह आप पर निर्भर है। यह उनका कभी भी इरादा नहीं रहा है।

अब, यह मुझे वेस्लेयन आर्मिनियन के रूप में चिह्नित करता है। चर्च में ऐसे भाई-बहन हैं जो मानते हैं कि भगवान ने कुछ लोगों को विनाश के लिए चुना है, और उसने दूसरों को उद्धार के लिए चुना है। मुझे विश्वास नहीं है कि बाइबल यही सिखाती है।

मुझे लगता है कि बाइबल सिखाती है कि वह नहीं चाहता और किसी को भी खोना नहीं चाहिए। आपके जीवन में जो आखिरी शब्द वह बोलता है उसका उद्देश्य कभी भी विनाश नहीं होता, लेकिन हो सकता है कि यह विनाश हो। और होशे यहाँ इसी बारे में बात कर रहा है।

वह यही कह रहा है। भगवान तुम्हें नष्ट नहीं करना चाहता। भगवान तुम्हें मारना नहीं चाहता।

ईश्वर आपको पुनःस्थापित करना चाहता है। ईश्वर आपको स्वस्थ करना चाहता है। और यदि वह आपको निर्वासन में भेजता है, और याद रखें, याद रखें कि हम यहाँ तिथियों के संदर्भ में क्या सोच रहे हैं।

होशे 750 ईसा पूर्व से 720 ईसा पूर्व के बीच की बात कर रहे हैं। उन 30 सालों में उत्तरी राज्य में पाँच राजा हुए। उनमें से चार की हत्या कर दी गई।

यह एक खूनी संघर्ष था। इसका अंत अंततः निर्वासन, 722 में सामरिया के विनाश, और कारीगरों के नेतृत्व की कैद में हुआ, जिसमें केवल सबसे गरीब लोग ही पीछे रह गए और उन लोगों को बंदी बना लिया गया। इसलिए होशे इस पर विचार कर रहा है।

वह किसी न किसी तरह से लोगों को तैयार कर रहा है, जो धर्मी हैं, उन्हें तैयार कर रहा है। परमेश्वर ने ऐसा क्यों किया? परमेश्वर हमसे नफरत करता होगा। परमेश्वर हमें नष्ट करना चाहता है।

नहीं, अगर वह हमें चोट पहुँचाता है, तो यह इसलिए है कि वह हमें ठीक कर सके। यह इसलिए है कि वह हमें पुनर्स्थापित कर सके। तो यही वह तस्वीर है जो वहाँ जा रही है।

जैसे सूरज उगता है, वैसे ही वह प्रकट होगा। वह हमारे पास सर्दियों की बारिश की तरह आएगा, जैसे वसंत की बारिश धरती को सींचती है। इज़राइल के पास सिंचाई के लिए इस्तेमाल की जाने वाली फ़रात या नील जैसी कोई बड़ी नदी नहीं है।

अगर उन्हें अच्छी फ़सल चाहिए तो उन्हें सर्दियों की बारिश की ज़रूरत है, यानी नवंबर और दिसंबर में। उन्होंने अपना अनाज मिट्टी में बोया है। अब उन्हें बारिश की ज़रूरत है ताकि बीज अंकुरित हो सकें।

फिर उन्हें फरवरी और मार्च में वसंत की बारिश करवानी होगी ताकि अनाज उगकर बाहर निकल जाए। मेरा मतलब छुट्टी से नहीं है। मेरा मतलब है, अनाज के दाने दिखाई देंगे।

तो यहाँ फिर से यही है: परमेश्वर हमारे पास क्यों आएगा? वह जीवन देने वाली वर्षा के रूप में हमारे पास आएगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या हम पीछे मुड़ेंगे और उसे ऐसा करने देंगे? तो इन तीन आयतों में पूरी चुनौती यह है कि, हमें उसके नाश करने के बाद पश्चाताप करना चाहिए ताकि वह हमें जीवन दे सके। वास्तव में, यही वह था जो इस्राएल और यहूदा दोनों के लिए होने वाला था।

अंततः, उनके लिए एकमात्र आशा निर्वासन थी। केवल वे लोग ही जो पहले असीरिया और फिर बाद में बेबीलोन ले जाए गए थे, अपने सच्चे विश्वास को बचाए रख सकते थे और फिर उसे वापस लाकर देश में फिर से रोप सकते थे। निर्वासन बाइबिल के विश्वास के लिए उर्वरक तत्व बन गया।

हम केवल कल्पना कर सकते हैं कि अगर निर्वासन न होता तो क्या होता। यह देखते हुए कि ये लोग कौन थे, उनकी पसंद-नापसंद को देखते हुए, क्या बाइबल में दी गई आस्था गायब हो जाती? खैर, मुझे नहीं लगता। मुझे लगता है कि भगवान ने कोई रास्ता निकाल लिया होगा।

लेकिन संदर्भ में, यह निर्वासन की चोट, दर्द, त्रासदी है जिसने वास्तव में उन्हें अपने होश में लाया, अगर आप चाहें, और उन्हें यह संदेश सुनने और कहने का मौका दिया, हे भगवान, हाँ, हाँ, हमें वापस मुड़ने की ज़रूरत है। हमें भगवान को हमें फिर से घर ले जाने की अनुमति देने की ज़रूरत है। उस अर्थ में, निर्वासन गोमेर के लिए दास ब्लॉक की तरह है।

यह केवल तभी संभव है जब वह दासता की स्थिति में हो और फिर अपने प्यारे पति द्वारा वापस खरीद ली जाए, तभी वह उसके साथ एक वफ़ादार विवाह में रहने के लिए तैयार होती है। तो वे शुरूआती आयतें, परमेश्वर का ज्ञान नहीं, अध्याय चार और पाँच, और फिर परमेश्वर के लिए कोई प्रेम नहीं, अध्याय, अध्याय छह, सात, आठ, नौ से दस तक के शेष भाग, और उनके बीच का भाग ये आयतें छह, एक से तीन हैं - आयत चार।

मैं तुम्हारे साथ क्या कर सकता हूँ, एप्रैम? मैं तुम्हारे साथ क्या कर सकता हूँ, यहूदा? अब ध्यान दें, होशे उत्तरी राज्य और दक्षिणी राज्य दोनों के लिए एक भविष्यवक्ता है। आमोस, जिसने लगभग 750, शायद उससे थोड़ा पहले भविष्यवाणी की थी, उसका संबोधन इस्राएल, उत्तरी राज्य को है। लेकिन होशे दोनों से बात कर रहा है।

और यहाँ वह यह कह रहा है कि, यहूदा, यह मत सोचो कि तुम एप्रैम से बेहतर हो। याद रखो कि मैंने पहले क्या कहा था: एप्रैम उत्तरी राज्य में प्रमुख जनजाति है। और इसलिए, जब वह एप्रैम के बारे में बोलता है, तो वह पूरे उत्तरी राज्य के बारे में बोलता है, न कि केवल उस जनजाति के बारे में।

यहूदा मूलतः केवल एक जनजाति है, यहूदा की जनजाति। लेकिन यहूदियों में यह सोचने की प्रवृत्ति थी कि, ठीक है, उन उत्तरी लोगों ने, यहोवा की मूर्तियाँ, बैल की मूर्तियाँ बनाई हैं। हे भगवान, कितने पापी हैं।

लेकिन हमारे पास मंदिर है, हमारे पास वहाँ कोई मूर्ति नहीं है, हमारे पास सिर्फ वाचा का बक्सा है, वाचा का सन्दूक है, और हम ठीक हैं। हाँ, वे विनाश की ओर जा रहे हैं। हम इसे आते हुए देख सकते हैं।

और लगभग निश्चित रूप से ऐसा होने के बाद, वे कह रहे थे, हाँ, हमने क्या कहा? हाँ, उन्हें ऐसा ही होना था। होशे कहते हैं, क्या तुम इस पर विश्वास नहीं करते। तुम भी उसी राह पर हो।

और जब तक आप पश्चाताप नहीं करते, जब तक आप पीछे नहीं हटते, और यह हम इंजीलवादियों के लिए एक शब्द है। हमारे लिए मुख्य संप्रदायों पर अपनी उँगलियाँ उठाना और कहना आसान है, अच्छा, इसे देखो। हाँ, बिल्कुल।

वे इसी तरह से आगे बढ़ रहे हैं। उनकी सेमिनरी इसी तरह से आगे बढ़ रही थी। हाँ, बिल्कुल।

बेशक, वे कम होते जा रहे हैं और गायब हो रहे हैं। उनके लिए अच्छा है। परमेश्वर हमसे क्या कह रहा है? क्या वह हमसे कह रहा है, जैसा कि होशे कह रहा था, कि तुम भी उसी रास्ते पर हो।

तुम बस कुछ साल पीछे हो। हमें अपने जीवन और अपने व्यवहार को देखते समय क्या ध्यान में रखना चाहिए? हम वास्तव में एक ही रास्ते पर कैसे हैं? और इसलिए वह कहता है, मैं तुम्हारे साथ क्या कर सकता हूँ, एप्रैम? मैं तुम्हारे साथ क्या कर सकता हूँ, यहूदा? तुम्हारा हेसेड, तुम्हारा प्यार, सुबह की धुंध की तरह है, सुबह की ओस की तरह जो गायब हो जाती है। अब याद करो, हेसेड, एक श्रेष्ठ व्यक्ति की एक निम्न व्यक्ति के प्रति उस भावुक अविचल भक्ति को, खासकर जब वह अयोग्य हो।

हम यहाँ ईश्वर के प्रति हमारी भावुक अविचल भक्ति के बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन दूसरों के प्रति भी। क्या आपको याद है कि यीशु ने क्या कहा था? यदि तुमने इनमें से सबसे कमज़ोर के साथ ऐसा किया है, तो तुमने मेरे साथ ऐसा किया है। और इसलिए, वह कहता है, तुम्हारा हेसेड, तुम्हारे बीच के गरीबों के लिए तुम्हारा हेसेड, तुम्हारे बीच के टूटे-फूटे और निराश लोगों के लिए तुम्हारा हेसेड, अप्रवासी के लिए तुम्हारा हेसेड, धुंध की तरह है।

इसमें कोई टिकने की शक्ति नहीं है। इसमें कोई ठोसपन नहीं है। और इसी तरह, फिर, तुम्हारा मेरे प्रति हेसड।

एक बार फिर, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ कि यह शब्द मुख्य रूप से ऐसा कुछ नहीं है जिसे आप महसूस करते हैं। यह कुछ ऐसा है जो आप करते हैं। अगर मैं कहता हूँ कि मुझे अपने बगीचे से प्यार है, तो मैं हेसेड के बारे में बात नहीं कर रहा हूँ।

नहीं, हेसेड एक अनपेक्षित दयालुता का कार्य है। उसी तरह, हेसेड भगवान के प्रति हमारी भक्ति की बात कर सकता है। यह मुख्य रूप से एक श्रेष्ठ व्यक्ति द्वारा एक निम्न व्यक्ति के प्रति किया गया कार्य है, लेकिन व्यापक स्तर पर, यह किसी भी कीमत पर किसी के लिए सर्वश्रेष्ठ करना है।

मैंने पहले भी इस शब्दावली का इस्तेमाल किया है: प्यार का मतलब है किसी दूसरे के लिए सबसे अच्छा चुनना, चाहे इसके लिए आपको कुछ भी कीमत चुकानी पड़े। इसे हेसेड कहते हैं, या न्यू टेस्टामेंट के शब्दों में कहें तो अगापे। खुद को देने वाला, खुद को नकारने वाला प्यार।

और परमेश्वर कहता है कि तुम्हारा जीवन धुंध जैसा है। तुम मुझसे प्यार नहीं करते, और इसलिए तुम दूसरों से प्यार नहीं करते। यही कारण है कि, वह कहता है, मैं अपने नबियों के साथ तुम्हें टुकड़ों में काटता हूँ।

मैंने अपने मुँह से निकले शब्दों से तुम्हें मार डाला। क्या? भविष्यवाणियों के शब्द हमें कैसे मारते हैं? वे हमें कैसे मारते हैं? खैर, हमें याद दिलाना चाहिए, परमेश्वर का वचन दोधारी तलवार की तरह है, जो जोड़ और मज्जा के बीच विभाजन करता है। हम्म-हम्म, हम्म-हम्म।

किसी ने कहा, परमेश्वर का वचन, यदि आप इसका आनंद ले रहे हैं, तो आप इसे बहुत ध्यान से नहीं पढ़ रहे हैं। परमेश्वर का वचन हमें जवाबदेह ठहराता है। परमेश्वर का वचन कहता है, एक मिनट रुको, यहाँ देखो, तुम क्या कर रहे हो।

और यह वही सिद्धांत है जिसके बारे में मैंने कुछ मिनट पहले बात की थी। शब्द मारता है ताकि वह जीवन दे सके। मैं एक खेत में पला-बढ़ा हूँ, और हमारे पास हमेशा बिल्ली के बच्चे होते थे।

हर जगह बिल्ली के बच्चे थे। वे बहुत बुद्धिमान नहीं थे। खास तौर पर एक बिल्ली को यह समझ में नहीं आया कि कुत्ते के खाने के दौरान उसके बर्तन से खाना खाने की कोशिश करना अच्छा विचार नहीं है।

और इस मामले में, कुत्ते ने बस आगे बढ़कर बिल्ली के बच्चे पर झपट्टा मारा और उसका लगभग आधा चेहरा काट लिया। और वह भाग गया। हमने मान लिया कि वह मरने के लिए चला गया है।

लेकिन करीब तीन दिन बाद, वह फिर से वापस आ गया। और वह भयानक घाव पूरी तरह से भर गया था। और मैंने अपनी माँ से कहा, अरे, वह बिल्ली का बच्चा वापस आ गया है।

सब ठीक हो जाएगा। वह बाहर गई और उसे देखा और अपना सिर हिलाया। उसने कहा, नहीं, प्रिये।

यह गर्वित मांस है। कितना स्पष्ट शब्द है। मवाद और गंदगी और बाकी सब चीजों का मिश्रण और बाहर से सख्त हो जाना।

उसने कहा कि यह मर जाएगा। मुझे इसे पेरोक्साइड से साफ करना होगा, और इससे यह मर जाएगा। यह मर जाएगा।

और ऐसा हुआ भी। बाइबल पेरोक्साइड है। भविष्यवक्ताओं के शब्द पेरोक्साइड हैं, काटने वाले, मारने वाले, घमंडी शरीर को मारने वाले, हमारे उस खास व्यवहार को मारने वाले जो जीवन के रास्ते में खड़ा है और मौत की ओर ले जाता है।

और इसलिए, वह कहता है, मैंने इन भविष्यवक्ताओं को भेजा है। मेरे छात्रों को याद है कि मैंने उनसे कहा था कि जिस तरह से आप झूठे भविष्यवक्ता और सच्चे भविष्यवक्ता के बीच अंतर बताते हैं, उसी तरह झूठे भविष्यवक्ता आपके बारे में अच्छी बातें कहते हैं। हाँ।

ओह, सब ठीक हो जाएगा। भगवान तुमसे प्यार करता है। सब ठीक है।

भगवान तुम्हें माफ़ कर दे। कोई बात नहीं। बुरा मत मानो।

आपको अपनी खुद की छवि अच्छी रखनी चाहिए। बाइबल कहती है कि यह एक झूठा भविष्यवक्ता है। सच्चा भविष्यवक्ता कहता है कि आप विनाश की राह पर हैं।

ऐसा करते रहो, नहीं तो तुम खुद को भगवान से अलग कर लोगे। ऐसा मत करो। यह भगवान को घृणास्पद लगता है।

इसे बंद करो। यह सच है, पैगम्बर। और यह धर्मशास्त्रीय शिक्षा के क्षेत्र में हमारे लिए कुछ कहता है।

यह शायद एक बड़ा चर्च बनाने का तरीका नहीं है, लेकिन भविष्यवक्ता कहते हैं कि यह जीवन का मार्ग है। मैंने अपने मुँह के शब्दों से तुम्हें मार डाला। फिर मेरा... अब यह पाठ न्याय कहता है।

यह एक और शब्द है जिसके बारे में मैंने आपसे कई बार बात की है। हिब्रू, मेरा मिशपातिम। मिशपात जीवन के लिए परमेश्वर का आदर्श है।

यहाँ बहुवचन अंत है। अब, हम इसका अनुवाद निर्णय क्यों करते हैं? शायद बेहतर शब्द होगा दिशाएँ। इस तरह से मैंने दुनिया बनाई है।

मैंने दुनिया को इसी तरह से चलने के लिए बनाया है। मैंने दुनिया को सुनहरे नियम के आधार पर चलने के लिए बनाया है। दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करो जैसा तुम चाहते हो कि वे तुम्हारे साथ करें।

और इसलिए, मैंने तुम्हें निर्देश दिए हैं। और अगर तुम उन निर्देशों का पालन नहीं करोगे, तो कुछ परिणाम होंगे। इसलिए, वह कहता है, मैंने तुम्हें अपने मुँह के शब्दों से मार डाला ताकि मेरा मिशपातिम, मेरे जीने का तरीका, जीवन के लिए मेरी योजना, सफल जीवन के लिए मेरा मार्गदर्शन सूरज की तरह आगे बढ़ सके।

जब आप अपने लिए जी रहे होते हैं, जब आप स्वार्थी, आत्म-प्रशंसक, आत्म-प्रचार करने वाला जीवन जी रहे होते हैं, तो वे आगे नहीं बढ़ सकते। तब मेरे निर्देश न्याय बन जाएँगे क्योंकि आप जीवन के लिए परमेश्वर के नमूने के अनुसार नहीं जी रहे हैं। पद 6, क्योंकि मैं बलिदान नहीं, बल्कि हेसद चाहता हूँ, और होमबलि से बढ़कर परमेश्वर को जानना चाहता हूँ।

बेशक, यह बात शमूएल से शुरू होती है जब शाऊल ने परमेश्वर की आज्ञा न मानने की अपनी विफलता को छुपाया था। जब इस्राएल मिस्र से बाहर आ रहा था, तब अमालेकियों ने उसे नष्ट करने की कोशिश की थी और परमेश्वर ने कहा था कि वह दिन आएगा। यह अभी नहीं आया है, लेकिन वह दिन आएगा जब उनका पाप इतना बढ़ जाएगा कि अमालेकियों का नाश हो जाएगा।

उसने शाऊल को ऐसा करने का आदेश दिया। शाऊल ने सैनिकों को लूट का माल वापस लाने की अनुमति दी। सैनिकों को इसी तरह वेतन मिलता था।

सबसे बढ़िया मवेशी, सबसे बढ़िया मवेशी। और वह खुद राजा को वापस लाया, निस्संदेह उसका भण्डारी बनने के लिए। और जब शमूएल ने उससे सामना किया, तो शाऊल ने कहा, ठीक है, लोग उन जानवरों को बलि चढ़ाने के लिए वापस लाए हैं।

शमूएल ने कहा कि परमेश्वर बलिदान से ज़्यादा आज्ञाकारिता चाहता है। इसलिए यहाँ, परमेश्वर हेसेड चाहता है। आप देखिए, धर्म बहुत काम आता है।

मैं भगवान की कृपा पाना चाहता हूँ। इसलिए, मैं चर्च जाता हूँ। इसलिए, मैं कुछ पैसे देता हूँ।

बहुत ज़्यादा तो नहीं, लेकिन थोड़ा बहुत। मैं कभी-कभार बाइबल पढ़ता हूँ। मेरे घर में बहुत सारी बाइबलें हैं।

तो, भगवान मुझ पर एहसानमंद हैं। भगवान कहते हैं, मुझे वास्तव में इस बात की परवाह नहीं है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या आपके पास मेरे साथ एक अंतरंग संगति है जो आपके जीने के तरीके को बदलती है।

मैं जानना चाहता हूँ कि क्या तुमने मेरे विचारों को इतनी गहराई से अनुभव किया है कि तुम इसे दूसरों को बताने में संकोच कर रहे हो। अब, अगर यह सब सच है, तो मुझे तुम्हारा चर्च जाना बहुत पसंद है। मुझे तुम्हारे गाने बहुत पसंद हैं।

मुझे आपका बाइबल पढ़ना बहुत पसंद है। मुझे आपकी प्रतिभाएँ बहुत पसंद हैं। लेकिन अगर यह सच नहीं है, अगर आप मुझे वास्तव में नहीं जानते हैं, जैसा कि आप लोगों के साथ व्यवहार करने के तरीके से प्रदर्शित होता है, तो आपकी चर्च सेवाएँ मुझे बीमार कर देती हैं।

यशायाह कहता है, "मैं अधर्म और धार्मिक सभा से घृणा करता हूँ। हाँ। हाँ।"

मुझे आपका धार्मिक व्यवहार तब तक नहीं चाहिए जब तक कि वह आपके हृदय की स्थिति का सटीक प्रतिबिम्ब न हो। अगर ऐसा है, तो ठीक है। मुझे आपकी आध्यात्मिक स्थिति का भौतिक प्रतिनिधित्व पाकर खुशी होगी।

ऐसा करना अच्छी बात है। लेकिन अगर आपकी आध्यात्मिक स्थिति खराब है, तो मैं आपको चर्च में नहीं देखना चाहता। अब, फिर से, मैं एक धर्मशास्त्र शिक्षक हूँ।

क्या कोई पादरी कहता है, मैं तुम्हें चर्च में नहीं देखना चाहता? श्लोक 7 थोड़ा विवादास्पद है, मैं कहना चाहता था। मुझे नहीं पता कि यह कोई विवाद है, लेकिन मैं इस बारे में अनिश्चित हूँ कि इसे कैसे पढ़ा जाना चाहिए। श्लोक 7, कई अनुवादों में, कहेगा, आदम की तरह, उन्होंने वाचा को तोड़ा है।

वे वहाँ मेरे प्रति विश्वासघाती थे। मेरे पास जो है वह न्यू इंटरनेशनल वर्जन है। इसमें लिखा है, जैसा कि आदम के मामले में हुआ।

एडम जॉर्डन घाटी में एक शहर या गांव है। याद रखें, हमने गिलगाल के बारे में बात की है, वह स्थान जहाँ हिब्रू लोगों ने भूमि पर विजय प्राप्त करते समय अपना आधार बनाया था। एडम एडम नामक एक गाँव है, जो गिलगाल के काफी करीब है।

तो, यह संभव है कि हम इसी के बारे में बात कर रहे हैं। फिर से, यह कोई प्राचीन स्थल है जिसके बारे में ये सभी अद्भुत, पवित्र यादें हैं। और होशे कह रहा है, पवित्र यादों को भूल जाओ।

सवाल यह है कि अब आप क्या कर रहे हैं? यह एक संभावना है, जैसा कि न्यू इंटरनेशनल वर्जन में बताया गया है। दूसरी संभावना यह है कि आदम की तरह उन्होंने भी वाचा को तोड़ा है। अब, यह थोड़ा जटिल हो जाता है।

एक ऐसी चीज़ है जिसे वाचा धर्मशास्त्र कहा जाता है। यह धर्मशास्त्र वाचा को संपूर्ण बाइबल का विषय मानता है। और इसलिए, यह कहता है, परमेश्वर और आदम के बीच एक मूल वाचा थी।

और जब आदम और हव्वा ने पाप किया, उत्पत्ति 3, उन्होंने उस वाचा को तोड़ दिया। अन्य लोग, और मैं उनमें से एक हूँ, कहते हैं कि नहीं। पाठ में वाचा के बारे में कुछ भी नहीं है।

वाचा, जैसा कि मैं समझता हूँ, और मैं यहाँ अकेला नहीं हूँ। वाचा पतन के बाद हमारी पापी स्थिति से निपटने का परमेश्वर का तरीका है। यह एक युक्ति है। यह एक तरीका है जिसका उपयोग परमेश्वर ने मुद्दों से निपटने के लिए किया है।

और हमारे पास यहाँ इस बारे में बात करने का समय नहीं है। इसलिए, अगर यह सच है, अगर यह आदम की तरह है, तो उन्होंने वाचा को तोड़ा। मुझे लगता है कि यह जो कह रहा है वह यह है कि इस्राएली परमेश्वर के प्रति विश्वासघाती थे। आदम परमेश्वर के प्रति विश्वासघाती था।

ऐसा नहीं है कि उसने कोई वाचा तोड़ी थी या ऐसा कुछ भी नहीं था। वह बस परमेश्वर के प्रति विश्वासघाती था। और इसलिए, इस्राएली भी विश्वासघाती थे।

इसलिए, हम इसे किसी भी तरह से ले सकते हैं। मैं एनआईवी अनुवादकों से सहमत हूँ कि हम गिलगाल और बेथेल और अन्य स्थानों के पैटर्न पर एक स्थान के बारे में बात कर रहे हैं, जिसके बारे में उनका कहना है कि वे पवित्र स्मृति के स्थान नहीं हैं। वे ऐसे स्थान हैं जहाँ आप अब पाप कर रहे हैं और आपको वहाँ नहीं जाना चाहिए।

ठीक है। ध्यान दें कि आगे क्या आता है। श्लोक 8. मुझे लगता है कि यह इस तर्क का समर्थन करता है कि आदम एक स्थान है।

गिलियड दुष्टों का शहर है जिस पर खून के निशान हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि उसने यहाँ गिलियड को क्यों चुना। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण जगह थी और यहाँ काफी खून-खराबा हुआ था।

तो शायद यही हो रहा है। राजाओं का राजमार्ग रेगिस्तान के किनारे से दमिश्क तक जाता था। इसलिए, लाल सागर से व्यापार उस सड़क से होकर आता था और गिलियड यहीं पर स्थित था और यह एक महत्वपूर्ण चौराहा था क्योंकि उस सड़क की एक शाखा यिज्जेल घाटी से निकलकर भूमध्य सागर तक आती थी।

इसलिए, उस चौराहे को नियंत्रित करना इसे गिलाद की ऊँचाइयों में रामोत-गिलाद भी कहा जाता है। उस सड़क को नियंत्रित करना महत्वपूर्ण था। यह वह जगह थी जहाँ येहू इस्राएली सेना के साथ था जब पैगंबर ने उसे अहाब के घराने को नष्ट करने के लिए राजा के रूप में अभिषेक किया था।

तो, यह बस यही बात हो सकती है। यह एक खूनी जगह है। पूरा देश गिलियड की तरह खूनी जगह है।

गिलाद दुष्टों का शहर है, जिसके पैरों के निशान खून से रंगे हुए हैं। जैसे लुटेरे शिकार की तलाश में घात लगाए बैठे रहते हैं, वैसे ही पुजारियों के गिरोह भी शिकार की तलाश में रहते हैं। वे शेकेम के रास्ते पर हत्या करते हैं, अपनी दुष्ट योजनाओं को अंजाम देते हैं।

हे भगवान। खैर, अब फिर से थोड़ा भूगोल। बर्शेबा से यरूशलेम तक का रास्ता बहुत आसान है।

यह मूल रूप से एक ही रिज लाइन का अनुसरण करता है, लेकिन यरूशलेम के उत्तर में, रिज लाइन अधिक टूटी हुई है, और रास्ते में, आपके पास शेकेम है, वह स्थान जहाँ याकूब का कुआँ स्थित था। दक्षिण में माउंट गेरिजिम, उत्तर में माउंट एबाल, यहाँ सामरिया। तो शेकेम तब राजधानी शहर तक पहुँच है और यह निश्चित रूप से बेथेल के लिए सड़क पर भी है जो बहुत महत्वपूर्ण अभयारण्य है। इसलिए, मुझे लगता है कि सामरिया और बेथेल के बीच की सड़क पर ये पुजारी हैं।

क्या वे हत्यारे हैं? क्या वे वास्तव में सड़क पर लोगों को मार रहे हैं? मुझे संदेह है कि नहीं। उन्होंने पहले भी बात की है। हमने इसे अध्याय 4 में विशेष रूप से देखा और अध्याय 5 में भी कि कैसे पुजारी अपने कार्य में विफल रहे हैं।

उनका काम टोरा सिखाना है। उनका काम लोगों के सामने ईश्वर का प्रतिनिधित्व करना है। इसके बजाय, वे अधिक से अधिक बलिदान इकट्ठा कर रहे हैं क्योंकि बलिदान के माध्यम से ही उन्हें अपनी आय मिलती है।

लोगों का अधिक पाप करना उनके लिए फ़ायदेमंद है। इसलिए, मुझे संदेह है कि होशे जो कह रहा है वह यह है कि ये लोग आध्यात्मिक रूप से हैं। ये पुजारी आध्यात्मिक रूप से अपने लोगों की हत्या कर रहे हैं क्योंकि वे टोरा नहीं सिखा रहे हैं क्योंकि वे उन्हें पाप से बचने में मदद नहीं कर रहे हैं। वे वास्तव में उन्हें पाप में ले जा रहे हैं, और वे वास्तव में हत्यारे हैं। फिर से, हमें इसे अपनी स्थिति पर लागू करना होगा।

क्या एक पादरी हत्यारा हो सकता है? हाँ। हाँ। अगर एक पादरी अपने स्वार्थ के लिए इस पेशे में है, अगर एक पादरी ईमानदारी से लोगों को उनके पाप नहीं दिखा रहा है, अगर एक पादरी लोगों को गहरी और गहरी शिष्यता की ओर नहीं ले जा रहा है, तो फिर इस बारे में बात करना कोई सहज विषय नहीं है, लेकिन होशे की यह पुस्तक केवल 8वीं शताब्दी के इस्राएल के बारे में नहीं है।

यह आज की बात है। मैंने इस्राएल में एक भयानक बात देखी है। वहाँ एप्रेम वेश्यावृत्ति में लिप्त है।

इस्राएल अपवित्र है। होशे इस प्रेम भाषा, यौन भाषा का प्रयोग करने जा रहा है, क्योंकि हम बाइबल के धर्म में जिस बारे में बात कर रहे हैं वह है संबंध। परमेश्वर संबंधों का परमेश्वर है।

दुर्भाग्य से, आज बहुत से इंजील धर्म स्थिति पर ध्यान केंद्रित करते हैं। क्या आप बचाए गए हैं? क्या आपको बचाया गया है? क्या आप न्यायसंगत हैं? स्थिति। स्थिति।

अच्छा, मेरी बात सुनो। क्या मैं दोबारा जन्म लेने की आवश्यकता पर विश्वास करता हूँ? मैं बिल्कुल करता हूँ। क्या मैं धर्म परिवर्तन की आवश्यकता पर विश्वास करता हूँ? हाँ, मैं करता हूँ।

लेकिन किससे क्या मैं परिवर्तन? किससे क्या मैं नया जन्म? और मैं यह कहना चाहता हूँ कि परमेश्वर हमें जीवन जीने के तरीके पर चलने के लिए बुला रहा है। वह हमें उससे उस अलगाव से मुक्ति दिला रहा है जो हमें मारता है और हमें जीवन बदलने वाले रिश्ते में पहुँचा रहा है। इसलिए, वह ठीक से नहीं कहता है एप्रेम वे सभी मूर्तिपूजक बन गए हैं।

वह एप्रेम के बारे में यह नहीं कहता कि वे सभी वाचा तोड़ने वाले हैं। वह यह नहीं कहता कि एप्रेम दोषी है। वह कहता है कि वे वेश्यावृत्ति कर रहे हैं।

उन्होंने परमेश्वर के साथ अपना रिश्ता तोड़ दिया है। उन्होंने परमेश्वर के साथ अपने विवाह को अस्वीकार कर दिया है, और वे एक दूसरे झूठे रिश्ते में चले गए हैं। एक ऐसा रिश्ता जो आनंद पर आधारित है।

एक रिश्ता जो भुगतान के बदले कुछ पाने पर आधारित है। एक रिश्ता जो अंत में जीवन देने वाला नहीं बल्कि विनाशकारी होता है। तो यह फिर से यहाँ है।

यह सिर्फ झूठे देवताओं की पूजा करना नहीं है। यह एक ऐसे रिश्ते में प्रवेश करना है जो झूठा है और एक ऐसा रिश्ता जो न सिर्फ अनुत्पादक है, बल्कि यह मौत का कारण भी है। वे वेश्यावृत्ति कर रहे हैं।

फिर से, हमें यहाँ अपने जीवन को देखने की ज़रूरत है। क्या मैं ईश्वर के साथ जीवन देने वाले रिश्ते में हूँ? या क्या यह वास्तव में एक वेश्यावृत्ति का रिश्ता है जहाँ मैं उसका उपयोग करने की कोशिश कर रहा हूँ? क्या मैं अपने जीवन में उन चीज़ों के साथ अन्य रिश्तों में हूँ जो ईश्वर नहीं हैं? सेंट ऑगस्टीन पूजा करने और न करने के लिए कहने के लिए बहुत प्रसिद्ध हैं। अगर मैं किसी ऐसी चीज़ की पूजा करता हूँ जिसका उपयोग किया जाना चाहिए, तो मैं झूठी पूजा में लगा हुआ हूँ, और अगर मैं उसका उपयोग करता हूँ जिसकी पूजा की जानी चाहिए, तो मैं मृत्यु में हूँ। एक और विचार, और मैं तुम्हें जाने दूँगा।

इसके अलावा, तुम्हारे लिए, यहूदा, जब भी मैं अपने लोगों के भाग्य को बहाल करना चाहूँगा, तब एक फसल नियुक्त की जाएगी। अब हमने होशे के पाठ में कठिनाइयों के बारे में बात की है, और कुछ लोग मानते हैं कि जब भी मैं अपने लोगों के भाग्य को बहाल करूँगा, तो यह वास्तव में अध्याय 7 की पहली आयत की शुरुआत है। अन्य लोग कहते हैं कि नहीं, और वर्तमान अध्याय विभाजन ऐसा कहेगा। तो, यह तुम्हारे लिए एक दिलचस्प सवाल उठाता है, यहूदा, जब भी मैं अपने लोगों के भाग्य को बहाल करूँगा, तब हमारी फसल नियुक्त की जाएगी।

वहाँ क्या हो रहा है? फ़सल नकारात्मक लगती है। हाँ, आप जो बोएँगे वही काटेंगे, और आपने हवा बोई है, और आप बवंडर काटने जा रहे हैं। लेकिन हम इसे इस बात से कैसे जोड़ते हैं कि मैं अपने लोगों की किस्मत को फिर से बदल दूँगा? खैर, मुझे लगता है कि यह वही जगह है जहाँ से अध्याय शुरू हुआ था।

मैं अपने लोगों की किस्मत तब तक नहीं बदल सकता जब तक कि उनके पाप को उसके नकारात्मक परिणाम भुगतने की अनुमति न दी जाए। अब, मैं इसे एक पूर्ण कथन नहीं बनाना चाहता। परमेश्वर अपने काम करने के तरीके में असीम रूप से रचनात्मक है।

लेकिन बार-बार हमें मोक्ष की आवश्यकता का एहसास तब तक नहीं होता जब तक हम अपने अंत पर नहीं पहुँच जाते। जब तक जीवन अच्छी तरह से और खूबसूरती से चल रहा है, तब तक भगवान की क्या ज़रूरत है? मैं ठीक हूँ। लेकिन जब जीवन हम पर हावी हो जाता है तो हम अचानक कहते हैं, एक मिनट रुको, एक मिनट रुको मैं पर्याप्त नहीं हूँ।

मैं इस समस्या का समाधान नहीं कर सकता। यहाँ क्या हो रहा है? भगवान, आप कहाँ हैं? बेशक, यह बात है कि फॉक्सहोल में कोई नास्तिक नहीं है। तो हाँ, यहूदा, एक फसल आ रही है लेकिन उस फसल में मेरा उद्देश्य बहाली है।

तो, यह आपके अपने जीवन में है। अगर आपका जीवन बिखर रहा है, अगर चीजें ठीक से काम नहीं कर रही हैं तो यह एक अवसर है। उस ईश्वर की ओर देखने का अवसर जो पुनर्स्थापित करना चाहता है, जो नवीनीकृत करना चाहता है, जो पुनर्जीवित करना चाहता है।

आइए हम सब मिलकर प्रार्थना करें। हे पिता, आपका धन्यवाद कि यह आपका हृदय है। आपका धन्यवाद कि आपका हृदय हमेशा दया करने वाला है।

हमेशा हेसेड के साथ हम तक पहुँचने के लिए। धन्यवाद कि आप जीवन की त्रासदियों का उपयोग अच्छे के लिए करना चाहते हैं। यहाँ तक कि आप इन चीजों को अच्छे के लिए, हमारे भले के लिए आने देते हैं।

ऐसा हो। इन घंटों में हम आपकी ओर मुड़ने में सक्षम हों। विश्वास के साथ मुड़ने के लिए, यह विश्वास करते हुए कि आप वास्तव में पुनर्स्थापित कर सकते हैं, नवीनीकृत कर सकते हैं, पुनर्जीवित कर सकते हैं, और आप इन अनुभवों का उपयोग हमें उस स्थान पर लाने के लिए करेंगे जहाँ हम कह सकें, हाँ, मैं प्रभु को जानता हूँ। आपके नाम में हम प्रार्थना करते हैं। आमीन।